Re. NEED FOR AN UNDERGROUND SUBWAY BETWEEN PARLIAMENT HOUSE AND PARLIAMENT HOUSE ANNEXE

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, आपने मुझे अवसर दिया, उसके लिए मैं अनुगृहीत हूं । मैंने शून्य काल में बहुत जरूरी सवाल उठाने के लिए समय मांगा था वह यह है कि इन दिनों जो भी सदस्य आते होंगे वह प्रायः देखते होंगे कि संसद के बाहर जो यह गोलंबर है उसके पास कितनी भीड़ रहती है और परिवहन के साथ यातायात की इतनी अधिकता हो गई है कि किसी भी संसद सदस्य का या किसी भी कर्मचारी का किसी भी वाहन से अंदर आना मुश्किल है ।

दूसरी बात यह है कि एनेक्सी में हम लोगों को बराबर आना पड़ता है और यहां के कर्मचारियों को भी आना-जाना पड़ता है । तो जब एनेक्सी का निर्माण हो रहा है उस समय हम लोग लोक सभा में थे ।

उस समय यह सवाल उठा था कि आधा हमारा कार्यालय वहां रहेगा और आधा यहां रहेगा । बराबर वहां लोगों को जाना पड़ता है । उस समय मुझे याद है यह तय हुआ था कि अंडरग्राउंड यहां से एनेक्सी जाने के लिए रास्ता बनाया जायेगा । यह तो है ही कि समय की बचत होगी साथ ही सुविधा भी होगी और खतरे से आदमी बचेगा । इसलिए मैं आपके माध्यम से दो बात सरकार से कहना चाहता हूं । पहली बात यह है कि जो हमारा आधा हिस्सा एनेक्सी में है वहां पर बराबर आने-जाने के लिए एक अंडरग्राउंड सिस्टम होना चाहिए, दोनों सड़कों के बीच में । यह बहुत जरूरी है । दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि बाहर बराबर जो हैवी जैम हो जाता है गाड़ियों के आने-जाने से उस पर रोक होनी चाहिए, यह मेरी मांग है । मैं समझता हूं सरकार इस पर अवश्य ध्यान देगी । अभी पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर बैठे थे वह कहीं चले गये । आप से अनुरोध करूंगा कि इस पर तत्काल कदम उठाने के लिए कहा जाए । धन्यवाद ।

RE. NAMING THE MARATHWADA TSNIVBRSITY AFTER DR. AMBEDKAR-

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : Sir, I have a short point. This House should take note of, and act on the unnecessary controversy on the same of Dr. Ambedkar. The naming of a university after Dr. Ambedkar, which should be done, is being held up, and an unnecessary controversy is being created. This is having a very adverse impact. I would urge upon the Government to urge the State Government to see that the Marathwada University is named after Dr. Ambedkar.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra) : Sir, I associate myself with his sentiments. There should be no two opinions.

SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL (Gujarat) : Sir, I also associate myself.. ..*{Interruptions).*

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Sir, she also wants to associate herself .. *{Interruptions),*

RE. DEMAND TO DECLARE ALLAHABAD UNIVERSITY AS A CENTRAL UNIVERSITY

THE VICE-CHAIRMAN (Shri V. Narayanasamy) : Mr. Sompal, I have noted your name. I will call you ..... *{Interruptions)*...Your name is also there. I will call you.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, 1887 में एक केन्द्रीय अधिनियम के द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी । 11 नवम्बर, 1887 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय का पहला कनवोकेशन हुआ था । उस समय इलाहाबाद विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राज्य का एक मात्र विश्वविद्यालय था। जहां तक मेरी जानकारी है उत्तर प्रदेश में इस समय 18 विश्वविद्यालय हैं । कुछ दिनों से इस बात की मांग चली आ रही है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए। अभी तक सरकार की जो नीति रही है उसी के